

दादा भगवान प्ररूपित

मैं कौन हूँ?

खुद 'खुद' से ही कब तक अनजान रहोगे?

'खुद कौन हो'

वही जानने की जरूरत है।

दादा भगवान प्ररूपित

मैं कौन हूँ ?

संकलन : डॉ. नीरूबहन अमीन

प्रकाशक : श्री अजीत सी. पटेल

महाविदेह फाउन्डेशन

5, ममतापार्क सोसायटी, नवगुजरात कॉलेज के पीछे,

उस्मानपुरा, अहमदाबाद - ३८० ०१४, गुजरात

फोन - (०७९) २७५४०४०८, २७५४३९७९

E-Mail : info@dadabhagwan.org

©

All Rights reserved - Dr. Niruben Amin

Trimandir, Simandhar City,

Ahmedabad-Kalol Highway, Post - Adalaj,

Dist.-Gandhinagar-382421, Gujarat, India.

प्रथम संस्करण : प्रत ३०००, नवम्बर २००४

द्वितीय संस्करण : प्रत ४४००, अगस्त २००५

तृतीय संस्करण : प्रत ५०००, मार्च २००५

भाव मूल्य : 'परम विनय' और

'मैं कुछ भी जानता नहीं', यह भाव!

द्रव्य मूल्य : ५ रुपये

लेसर कम्पोज़ : दादा भगवान फाउन्डेशन, अहमदाबाद.

मुद्रक : महाविदेह फाउन्डेशन (प्रिंटिंग डिवीजन),

पार्श्वनाथ चैम्बर्स, नये रिज़र्व बैंक के पास,

इन्कमटैक्स एरिया, अहमदाबाद-३८० ०१४.

फोन : (०७९) २७५४२९६४, २७५४०२१६

त्रिमंत्र

दादा भगवान कौन ?

जून १९५८ की एक संध्या का करीब छः बजे का समय, भीड़ से भरा सूरत शहर का रेल्वे स्टेशन। प्लेटफार्म नं. 3 की बेंच पर बैठे श्री अंबालाल मूलजीभाई पटेल रूपी देहमंदिर में कुदरती रूप से, अक्रम रूप में, कई जन्मों से व्यक्त होने के लिए आतुर 'दादा भगवान' पूर्ण रूप से प्रगट हुए। और कुदरत ने सर्जित किया अध्यात्म का अद्भुत आश्चर्य। एक घण्टे में उनको विश्व दर्शन हुआ। 'मैं कौन ? भगवान कौन ? जगत कौन चलाता है ? कर्म क्या ? मुक्ति क्या ?' इत्यादि जगत के सारे आध्यात्मिक प्रश्नों के संपूर्ण रहस्य प्रकट हुए। इस तरह कुदरत ने विश्व के सन्मुख एक अद्वितीय पूर्ण दर्शन प्रस्तुत किया और उसके माध्यम बने श्री अंबालाल मूलजीभाई पटेल, चरोतर क्षेत्र के भादरण गाँव के पाटीदार, कान्फ्रेक्ट का व्यवसाय करने वाले, फिर भी पूर्णतया वीतराग पुरुष !

उन्हें प्राप्ति हुई, उसी प्रकार केवल दो ही घण्टों में अन्य मुमुक्षु जनों को भी वे आत्मज्ञान की प्राप्ति करवाते थे, उनके अद्भुत सिद्ध हुए ज्ञानप्रयोग से। उसे अक्रम मार्ग कहा। अक्रम, अर्थात् बिना क्रम के, और क्रम अर्थात् सीढ़ी दर सीढ़ी, क्रमानुसार उपर चढ़ना। अक्रम अर्थात् लिफ्ट मार्ग। शॉर्ट कट।

आपश्री स्वयं प्रत्येक को 'दादा भगवान कौन ?' का रहस्य बताते हुए कहते थे कि "यह दिखाई देनेवाले दादा भगवान नहीं है, वे तो 'ए. एम. पटेल' है। हम ज्ञानी पुरुष हैं और भीतर प्रकट हुए हैं, वे 'दादा भगवान' हैं। दादा भगवान तो चौदह लोक के नाथ हैं। वे आप में भी हैं। सभी में हैं। आपमें अव्यक्त रूप में रहे हुए हैं और 'यहाँ' संपूर्ण रूप से व्यक्त हुए हैं। दादा भगवान को मैं भी नमस्कार करता हूँ।"

'व्यापार में धर्म होना चाहिए, धर्म में व्यापार नहीं', इस सिद्धांत से उन्होंने पूरा जीवन बिताया। जीवन में कभी भी उन्होंने किसी के पास से पैसा नहीं लिया। बल्कि अपने व्यवसाय की अतिरिक्त कमाई से भक्तों को यात्रा करवाते थे।

आत्मज्ञान प्राप्ति की प्रत्यक्ष लींक !

‘मैं तो कुछ लोगों को अपने हाथों सिद्धि प्रदान करनेवाला हूँ। पीछे अनुगामी चाहिए कि नहीं चाहिए ? पीछे लोगों को मार्ग तो चाहिए न ?’

– दादाश्री

परम पूज्य दादाश्री गाँव-गाँव, देश-विदेश परिभ्रमण करके मुमुक्षु जीवों को सत्संग और स्वरूप ज्ञान की प्राप्ति कराते थे। आपश्री ने अपनी हयात में ही पूज्य डॉ. नीरुबहन अमीन को आत्मज्ञान प्रदान की ज्ञानसिद्धि प्रदान की थी।

परम पूज्य दादाश्री के देहविलय के पश्चात् आज भी पूज्य डॉ. नीरुबहन अमीन गाँव-गाँव, देश-विदेश घूमकर मुमुक्षु जीवों को सत्संग और आत्मज्ञान की प्राप्ति निमित्त भाव से करा रही है। हजारों मुमुक्षुओं इसका लाभ पाकर आत्मरमणता का अनुभव करते हैं और संसार में रहकर जिम्मेवारियाँ निभाते हुए मुक्त रह सकते हैं।

ग्रंथ में मुद्रित वाणी मोक्षार्थी को मार्गदर्शक के रूप में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो, लेकिन मोक्षप्राप्ति हेतु आत्मज्ञान पाना जरूरी है। अक्रम मार्ग के द्वारा आत्मज्ञान की प्राप्ति आज भी जारी है, इसके लिए प्रत्यक्ष आत्मज्ञानी को मिलकर आत्मज्ञान की प्राप्ति करे तभी संभव है। प्रज्वलित दीपक ही दूसरा दीपक प्रज्वलित कर सकता है।

दादा भगवान फाउन्डेशन के द्वारा प्रकाशित हिन्दी - अंग्रेजी पुस्तकें

- १ ज्ञानी पुरुष की पहचान
- २ सर्व दुःखो से मुक्ति
- ३ कर्म का विज्ञान
- ४ आत्मबोध
- ५ यथार्थ धर्म (प्रकाशनाधीन)
- ६ जगत कर्ता कौन ? (प्रकाशनाधीन)
- ७ अंतःकरण का स्वरूप (प्रकाशनाधीन)
- ८ मैं कौन हूँ ?
- ९ टकराव टालिए
- १० हुआ सो न्याय
- ११ एडजस्ट एवरीव्हेयर
- १२ भूगते उसी की भूल
- १३ वर्तमान तीर्थकर श्री सीमंधर स्वामी

1. **Adjust Everywhere**
2. **The Fault of the sufferer**
3. **Whatever has happened is Justice**
4. **Avoid Clashes**
5. **Anger**
6. **Worries**
7. **The Essence of All Religion**
8. **Shree Simandhar Swami**
9. **Pure Love**
10. **Death : Before, During & After...**
11. **Gnani Purush Shri A.M.Patel**
12. **Who Am I ?**
13. **The Science of Karma**
14. **Ahimsa (Non-violence)**
15. **Money**
16. **Celibacy : Brahmcharya**
17. **Harmony in Marriage**
18. **Pratikraman**
19. **Flawless Vision**
20. **Generation Gap**
21. **Apatvani-1**